हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र (रीतिकालीन काव्य)

Time allowed : Three hours **Maximum Marks : 100**

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

(क) हरि कैसो वाहन कि विधि कैसो हेम हंस,
लीक–सी लिखत नभ पाहन के अंक कों।
तेज को निधान राम–मुद्रिका–विमान कैधौं,
लक्ष्मण को बाण छूट्यो रावन निसंक कौं।
गिरि गजगंड़ तै उडान्यो सुबरन अलि,
सीता पद पंकज सदा कलंक–रंक कों।
हवाई–सी छूटी केसोदास आसमान में,
कमान कैसो गोला हनुमान चल्यो लंक कौं।।

अथवा

तो पर वारौं उरबसी, सुनि राधिके सुजान।
तू मोहन कैं उर बसी है उरबसी–समान।।
या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोइ।
ज्यौं–ज्यौं बूड़ै स्याम रंग, त्यौं–त्यौं उज्जलु होई।।
कहत नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
मरे भौन में करता हैं, नैननु ही सौं बात।।

(ख) अति सूधो सनेह को मारग है,
जहौं नेकु सयानप बांक नहीं।
तहौं सांचे चलैं तजि, आपुनपौं,
झिझकै कपटी जे निसांक नहीं।
घन आनन्द प्यारे सुजान सुनौ,
इत एक तै दूसरो आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौ लला!
मन लेहुँ पै देहु छटांक नहीं।।

अथवा

उत्तम विद्या लीजिये, जदपि नीच पे होय।
पर्यो अपावन ठौर को, कच्चन तजत न कोय।।
करत करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात तें, सिल पर होत निसान।।
स्वास्थ के सबही सगे, बिन स्वास्थ कोउ नाहिं।
सेवैं पंछी सरस–तरु, निरस भये उड़ि जाहिं।।

(ग) वेद राखे विदित, पुरान सखे सार युत,
रामनाम राख्यौ अति रसना सुघर में।
हिंदुन की चोटी, रोटी राखी है सिपाहिन की,
काँधे में जनेऊ राख्यौ, माला राखी गर में।
मीड़ि राखे मुगल, मरोरि राखे पातसाह,
बैरि पीसि राखे बरदान राख्यौ कर में।

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner

राजन की हद राखी, तेगबल सिवराज,
देव राखे देवल स्वधर्म राख्यौ घर में।।

अथवा

दामिनि दमक, सुरचाप की चमक, स्याम
घटा की झमक अति घोर घनघोर तैं।
कोकिला, कलापी कल कूजत हैं जित–तित,
सीकर ते सीतल समीर की झकोर तैं।
सेनापति आवन कह्यौ है मनभावन, सु,
लाग्यौ तरसावन विरह–जुर जोर तैं।
आयौ सखी सावन, मदन सरसावन,
लग्यौ है बरसावन सलिल चहुं ओर तैं।।

2. "भूषण बिन न विराजई, कविता बनिता मित्त"। इस उक्ति के आधार पर केशव की अलंकार–योजना की विवेचना कीजिये।

अथवा

"देखन में छोटे लगें, घाव करैं गंभीर" पंक्ति के आधार पर बिहारी के काव्य–वैभव पर प्रकाश डालिये।

3. "घनानन्द के काव्य में सौन्दर्य, प्रेम और वेदना का अभूतपूर्व सामंजस्य दिखायी देता है।' कथन की मीमांसा कीजिये।

अथवा

सेनापति के ऋतु वर्णन की विशेषताओं का विवेचन कीजिये।

4. "भूषण वीर रस के प्रसिद्ध कवि और राष्ट्रीयचेतना के प्रशासक थे।" इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिये।

अथवा

"वृन्द का काव्य नीति–काव्य के रूप में प्रसिद्ध है।" इस कथन की समीक्षा कीजिये।

5. प्रमुख नायक–नायिका भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिये।

अथवा

रस की परिभाषा देते हुए, उसके अवयवों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिये।

6. रीतिकाल के नामकरण के औचित्य पर विचार करते हुए, रीतिकाल की पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिये।

अथवा

रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा में अन्तर करते हुए, रीतिमुक्त काव्यधारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner